सीमा सुरक्षा बल, उत्तर बंगाल फ्रंटियर कदमतला, सिलीगुड़ी

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 14 दिसंबर 2021

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के स्वर्ण जयंती वर्ष की पूर्व संध्या पर ''बांग्लादेश के साथ संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम''

1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत की 50वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर, बांग्लादेश और भारत के बीच बेहतर संबंधों बनाये रखने के लिए सीमा सुरक्षा बल और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने 14 दिसंबर 2021 (मंगलवार) को श्री रवि गांधी, महानिरीक्षक, बीएसएफ उत्तर बंगाल फ्रंटियर, कदमतला के गतिशील नेतृत्व चेक पोस्ट (आईसीपी) फुलबाड़ी में एक ''संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम'' का आयोजन किया। ''मुक्ति योद्धा'', इतिहासकारों और दोनों देशों के प्रख्यात वक्ताओं को आईसीपी फुलबारी में सांस्कृतिक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था।

"बीएसएफ ने शुरू से ही 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी। बीएसएफ की 23 बटालियन को सेना के संचालन नियंत्रण में तैनात किया गया था और उन्होंने स्वतंत्र रूप से सेना के साथ मिलकर दुश्मन की स्थिति के खिलाफ रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरह की कार्रवाई में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

श्री रवि गांधी, महानिरीक्षक, उत्तर बंगाल फ्रंटियर, ने कहा कि भारत ने ''मुक्ति योद्धाओं'' को व्यापक सहायता, प्रशिक्षण और आश्रय प्रदान किया, जो मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना से लड़ रहे थे। 19 मार्च, 1972 को भारत–बांग्लादेश मैत्री, सहयोग और शांति संधि पर हस्ताक्षर के साथ दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत किया गया। समझौते को इंदिरा–मुजीब संधि के रूप में भी जाना जाता था, जिसका नाम इसके हस्ताक्षरकर्ताओं भारत के प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी और बांग्लादेश प्रधान मंत्री शेख मुजीबुर रहमान के नाम पर रखा गया था ।

श्री रवि गांधी, महानिरीक्षक, बीएसएफ उत्तर बंगाल, कदमतला ने 14 दिसंबर 2021 (मंगलवार) को संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत के अवसर पर आईसीपी फुलबाड़ी में दीप प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर दोनों देशों की सांस्कृतिक मंडली ने जातीय लोक नृत्य प्रस्तुत किए। दोनों देशों के प्रख्यात इतिहासकारों, मुक्ति योद्धाओं और युद्ध के दिग्गजों ने मुक्ति संग्राम के प्रत्यक्ष विवरण और अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया। समारोह के दौरान बीएसएफ जज बैंड ने भी प्रस्तुति दी। प्रमुख स्थानीय नेताओं, नागरिक गणमान्य व्यक्तियों, स्थानीय आबादी, बीएसएफ और बीजीबी अधिकारियों और मीडिया ने संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित थे।

.....